

## जायद की प्रमुख फसलें : चुनौतियाँ एवं समाधान

### जोनी<sup>1\*</sup> और सरोज<sup>2</sup>

<sup>1</sup>बी.एससी., एल. आर. एस. कन्या महाविद्यालय, नगीना, उत्तर प्रदेश

<sup>2</sup>प्रधानाचार्या, रामा पब्लिक जू. हा. स्कूल, नगीना, बिजनौर

\*E-mail: jaunithakur1212@gmail.com

अत्यधिक बढ़ती गर्मी को देखते हुए किसानों की समस्या और बढ़ जाती है। क्योंकि अत्यधिक गर्मी से मिट्टी सूख जाती है। जिससे वह कम उपजाऊ हो जाती है। ऐसे में फसल के सुखने की सम्भावना ज्यादा रहती है। इसी कारण गर्मियों में उगाई जाने वाली फसलों को मुख्य रूप से अप्रैल से अक्टूबर के बीच ही उगाया जाता है।

#### गर्मियों में उगने वाली फसलें

गर्मियों में कई प्रकार की फसलें उगायी जाती हैं। जैसे- लोकी, कदमू, भिण्डी, मक्का, धान, ककड़ी, खीरा, टमाटर, मिर्च, तरबूज, खरबूजा इत्यादि। परन्तु गर्मियों के मौसम में इन सब्जियों की अच्छी प्रकार से देखभाल अत्यधिक महत्वपूर्ण है। प्रस्तुत आर्टिकल में गर्मियों में पौधों में होने वाली समस्याओं तथा निवारण को दर्शाया गया है।



#### किसानों के सामने आने वाली चुनौतियाँ

गर्मियों में किसानों के सामने कई तरह की चुनौतियाँ आती हैं। जिनमें तापमान और जल की कमी से फसलों का नुकसान, अधिक गर्मी के कारण श्रम की कठिनाई और कीटों और बिमारियों का प्रकोप शामिल हैं। इसके लिए निम्नलिखित बिन्दु महत्वपूर्ण हैं:-

- **उच्च तापमान और जल की कमी:** गर्मियों में अधिक तापमान और जल की कमी होने के कारण फसलों को बहुत नुकसान होता है।

ज्यादा तापमान होने के कारण जमीन सूख जाती है। जिससे अच्छी फसल की पैदावार नहीं हो पाती। जल की कमी होने के कारण फसल सूख जाती है।

- **कीटों और बिमारियों का प्रकोप:** कीटों और बिमारियों का प्रकोप गर्मियों में बहुत तेजी से बढ़ता है। फसलों में कीड़े लग जाने से वह फसल को खराब कर देते हैं। इससे फसलों को अधिक नुकसान हो सकता है।
- **अधिक गर्मी के कारण श्रम की कठिनाई:** अधिक गर्मी के कारण तथा ज्यादा कड़ी धूप होने के कारण किसान खेत में काम नहीं कर पाता है। उसे खेत में काम करना बहुत कठिन हो जाता है। जिससे वे अधिक जाखिम में रहते हैं। खेती के लिए पर्याप्त और योग्य श्रमिकों की कमी भी एक बड़ी चुनौती है। जिससे किसानों को श्रम लागत में वृद्धि और श्रम की कमी का सामना करना पड़ता है।
- **जलवायु परिवर्तन:** जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम में परिवर्तन और तापमान में वृद्धि से फसल में नुकसान हो सकता है।
- **कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग:** ज्यादातर किसान कीटनाशकों का बहुत अधिक उपयोग करते हैं जिससे मिट्टी और पानी प्रदूषित हो जाते हैं और फसलें भी प्रभावित होती हैं।
- **कृषि भूमि का क्षरण खेतों में लगातार बुवाई हाने से तथा रासायनिक खाद डालने से भूमि की उर्वरकता कम होती जा रही है। जल संसाधनों का अत्यधिक उपयोग, और अज्ञात कृषि प्रणाली के उपयोग के कारण भी भूमि का क्षरण हो रहा है।**



- **नई तकनीको को अपनाने का अभाव:** किसानों को नई तकनीको और उपकरणों तक पहुँच की कमी है। कई नई - नई तकनीको के बावजूद भी किसानों में इनके प्रति जागरूकता, कीमतों का अधिक होना, रख रखाव की कम जानकारी आदि। कई उपकरण इंटरनेट के बिना नहीं चल पाते हैं। परन्तु इंटरनेट की पहुँच हर जगह नहीं है। इन्हीं कारणों की वजह से प्रत्येक किसान इनका समूचित उपयोग नहीं कर पाता है। और अपनी खेती अपने पारंपरिक तरीको से करना शुरू कर देता है।
- **पानी की कमी:** गर्मियों में सूखा पड़ने से खेत सूख जाते हैं। तथा पानी की कमी के कारण फसल की अच्छी पैदावार नहीं हो पाती।



## किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान

किसानों के सामने इतनी चुनौतियाँ आती हैं। इसी कारण इन समस्याओं का समाधान बहुत आवश्यक है। इन समस्याओं के समाधान के लिए कुछ महत्वपूर्ण बिन्दु निम्न प्रकार हैं।

- **पर्याप्त धूप और पानी:** सब्जियों को भरपूर धूप और पानी की आवश्यकता होती है, इसलिए इन्हें ऐसी जगह पर लगाएं जहाँ भरपूर धूप मिले और नियमित रूप से पानी दिया जा सके। गर्मियों में पौधों को पर्याप्त पानी की आवश्यकता होती है। इसी कारण पौधों को पानी देने के लिए नई-नई तकनीको का उपयोग करना अति आवश्यक है।
- **मिट्टी की गुणवत्ता:** मिट्टी को अच्छी तरह से तैयार करें और उसमें भरपूर मात्रा में कार्बनिक पदार्थ और उर्वरक मिलाएं। साथ ही समय-समय पर परीक्षण केन्द्र में जाकर मिट्टी की गुणवत्ता की जाँच करवाते रहना चाहिए। इससे हमें यह अच्छे से पता लग जाता है कि हमारे खेत की मिट्टी में किस पदार्थ की कमी है।
- **कीटनाशकों से बचाव:** पौधों को कीटनाशकों और बीमारियों से बचाने के लिए आवश्यक उपाय करें। कीटनाशकों से बचाव के लिए उसमें दवाईयों का छिड़काव समय-समय पर करते रहना चाहिए। इस कारण फसल में कीड़े लगने की सम्भावना कम रहती है।

- **छाया की व्यवस्था:** यदि गर्मी बहुत अधिक हो, तो पौधों को कुछ समय के लिए छाया में रखें। क्योंकि अधिकतर पौधे ऐसे होते हैं जो ज्यादा अधिक धूप सहन नहीं कर पाते। और उनके पत्ते सूखने लगते हैं। इन सबसे बचने के लिए किसान-शेड क्लॉथ, रो कवर, तथा फसल के आस-पास बड़े पौधे आदि लगाकर पौधों को धूप से बचाया जा सकता है।



- **सही समय पर बुवाई:** अच्छी फसल उगाने के लिए उनकी सही समय पर बुवाई आवश्यक है।

## निष्कर्ष

गर्मी के मौसम में फसलों की देखभाल के लिए सिंचाई, मल्लिग, और जैविक खाद का उपयोग जैसे उपाय महत्वपूर्ण हैं। नियमित अंतराल पर सिंचाई करना, ड्रिप या स्प्रींकलर सिस्टम का उपयोग करना, और सुबह या शाम को सिंचाई करना पानी के वाष्पीकरण को कम करने में मदद करता है। मल्लिग मिट्टी की नमी को बनाए रखने और तापमान को नियंत्रित करने में मदद करती है। जैविक खाद मिट्टी की संरचना और जल धारण क्षमता में सुधार करती है।

